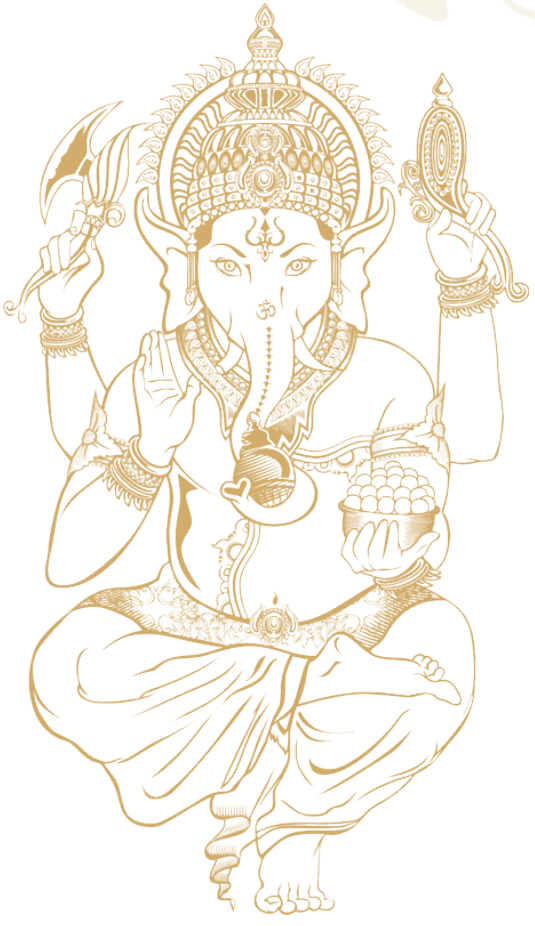

Bagdogra

12 Oct 2025

04:25 PM

Siliguri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121407502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/10/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:25:00 घंटे**
इष्ट	27:06:51 घटी
स्थान	**Siliguri**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	26:42:00 उत्तर
रेखांश	88:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:48:44 घंटे
वेलान्तर	00:13:32 घंटे
साम्पातिक काल	18:13:49 घंटे
सूर्योदय	05:34:15 घंटे
सूर्यास्त	17:10:56 घंटे
दिनमान	11:36:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:09:18 कन्या
लग्न के अंश	10:35:45 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:35:45	502:06:09	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	25:09:18	00:59:22	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मिथु	08:19:30	14:08:59	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	19:30:45	00:41:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
बुध			तुला	14:14:51	01:25:48	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			मिथु	29:28:51	00:05:35	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	04:00:17	01:14:23	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	02:42:37	00:04:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:42:27	00:02:00	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:42:27	00:02:00	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:42:52	00:01:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	06:01:38	00:01:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:08:58	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			धनु	08:57:12	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:05

लग्न-चलित

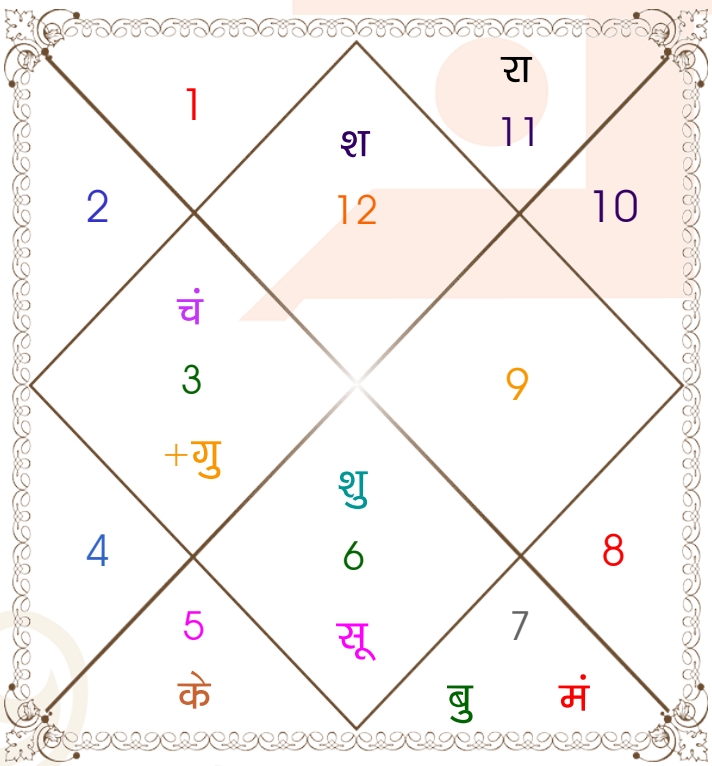

चन्द्र कुंडली

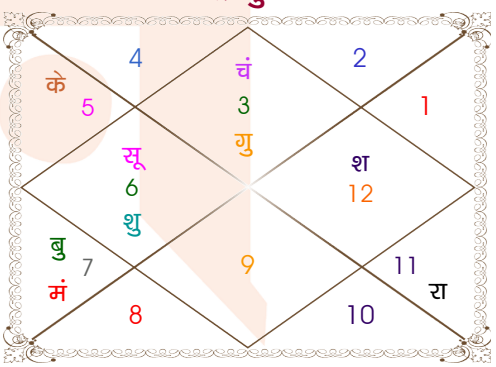

नवमांश कुंडली

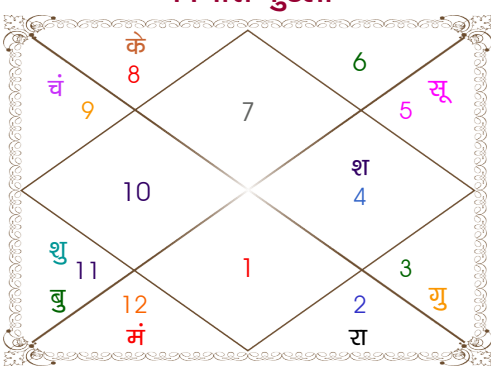

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 9 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/10/2025		17/07/2041		17/07/2057		17/07/2076		17/07/2093	
17/07/2041		17/07/2057		17/07/2076		17/07/2093		18/07/2100	
राहु	30/03/2026	गुरु	04/09/2043	शनि	20/07/2060	बुध	13/12/2078	केतु	13/12/2093
गुरु	22/08/2028	शनि	17/03/2046	बुध	30/03/2063	केतु	11/12/2079	शुक्र	12/02/2095
शनि	29/06/2031	बुध	22/06/2048	केतु	08/05/2064	शुक्र	10/10/2082	सूर्य	20/06/2095
बुध	16/01/2034	केतु	29/05/2049	शुक्र	08/07/2067	सूर्य	17/08/2083	चंद्र	19/01/2096
केतु	03/02/2035	शुक्र	28/01/2052	सूर्य	19/06/2068	चंद्र	15/01/2085	मंगल	16/06/2096
शुक्र	03/02/2038	सूर्य	15/11/2052	चंद्र	19/01/2070	मंगल	13/01/2086	राहु	05/07/2097
सूर्य	29/12/2038	चंद्र	17/03/2054	मंगल	27/02/2071	राहु	01/08/2088	गुरु	11/06/2098
चंद्र	28/06/2040	मंगल	21/02/2055	राहु	03/01/2074	गुरु	07/11/2090	शनि	20/07/2099
मंगल	17/07/2041	राहु	17/07/2057	गुरु	17/07/2076	शनि	17/07/2093	बुध	18/07/2100

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/07/2100		18/07/2120		18/07/2126		18/07/2136		18/07/2143	
18/07/2120		18/07/2126		18/07/2136		18/07/2143		00/00/0000	
शुक्र	17/11/2103	सूर्य	04/11/2120	चंद्र	19/05/2127	मंगल	14/12/2136	राहु	13/10/2145
सूर्य	16/11/2104	चंद्र	06/05/2121	मंगल	18/12/2127	राहु	01/01/2138		00/00/0000
चंद्र	18/07/2106	मंगल	11/09/2121	राहु	17/06/2129	गुरु	08/12/2138		00/00/0000
मंगल	17/09/2107	राहु	05/08/2122	गुरु	17/10/2130	शनि	17/01/2140		00/00/0000
राहु	17/09/2110	गुरु	25/05/2123	शनि	18/05/2132	बुध	13/01/2141		00/00/0000
गुरु	18/05/2113	शनि	06/05/2124	बुध	17/10/2133	केतु	11/06/2141		00/00/0000
शनि	18/07/2116	बुध	12/03/2125	केतु	18/05/2134	शुक्र	12/08/2142		00/00/0000
बुध	19/05/2119	केतु	18/07/2125	शुक्र	17/01/2136	सूर्य	17/12/2142		00/00/0000
केतु	18/07/2120	शुक्र	18/07/2126	सूर्य	18/07/2136	चंद्र	18/07/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।